डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 53 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 05 दिसम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

दो बाइक टकराई, चार घायल

मनासा, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मनासा-रामपुरा रोड के पास गांव घोटा पिपल्या में मंगलवार रात को दो बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में दोनों बाइक पर सवार चार लोग घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस की मदद से पहले मनासा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से 3 लोगों की स्थिति गंभीर होने पर उन्हें नीमच के बड़े अस्पताल रेफर किया गया। वहीं, एक व्यक्ति का इलाज मनासा के सरकारी अस्पताल में ही चल रहा है।

जानकारी के मुताबिक गांव घोटा पिपल्या के पास दो बाइक की टक्कर से 4 लोग घायल हो गए। घायलों में एक महिला भी शामिल है। हादसे में बाइक सवार इंद्रा बाई उम्र 34 वर्ष निवासी किरपुरिया, पति राजमल उम्र 40 वर्ष, उदयराम उम्र 60 वर्ष निवासी अरनिया चंद्रावत घायल हुए हैं। वहीं, दूसरे बाइक पर सवार पप्पू उम्र 25 वर्ष भी हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया। तीन घायलों इंद्रा बाई, राजमल और उदयराम को बड़े अस्पताल नीमच रेफर किया। वहीं, पप्पू का मनासा में उपचार किया गया। हादसे की जांच में पुलिस जुटी हुई है।

बांग्लादेशी हिंदुओं के लिए आगे आया सर्व समाज

हजारों लोगों ने निकाली रैली, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन, अंचल सहित जिला मुख्यालय के बाजार रहे पूरी तरह से बंद

मंदसौर, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर किए जा रहे अत्याचारो के विरोध में बुधवार को सकल हिंदू समाज ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान हजारों की संख्या में हिंदू समाज के लोग सडक़ों पर दिखाई दिए। शहर सहित अंचल के बाजार पूरी तरह से बंद रहे। महाराणा प्रताप बस स्टैंड स्थित अभिव्यक्ति स्थल पर प्रदर्शन कर रैली निकाली और शहर कोतवाली पहुंचकर ज्ञापन सौंपा।

बुधवार को ऐतिहासिक रूप से हिंदु समाज बांग्लादेश में मौजूद अल्पसंख्यक हिंदुओं के लिए सड़क पर उतरा। व्यापारी वर्ग हो या सामाजिक संस्थाओं से जुड़े लोग या अन्य वर्ग, सभी रैली में शामिल हुए। जिले भर से लोग मंदसौर पहुंचे। व्यापारियों ने स्वयं अपने संस्थान बंद रखकर विरोध प्रदर्शन को समर्थन दिया। बंद का असर मंदसौर के अलावा जिले भर में दिखाई दिया। महाराणा प्रताप बस स्टैंड पर सभी एकत्रित हुए। इसके बाद रैली के रूप में कोतवाली तक पहुंचे। यहां राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया गया।

सभी वर्ग का मिला समर्थन...

क्लाथ मर्चेन्टस एसोसिएशन, किराना मर्चेन्टस एसोसिएशन, इलेक्ट्रिक व्यापारी एसोसिएशन सहित अन्य सभी व्यापारी संगठनों ने बंद को न सिर्फ समर्थन दिया, बल्कि रैली में भी संगठन के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। सबसे पहले महाराणा प्रताप चौराहा स्थित अभिव्यक्ति स्थल पर दोपहर में सर्व हिन्दू समाज के लोग इकट्ठा हुए। इसके लिए जिलेभर से लोग अगल-अलग वाहनों से मंदसौर पहुंचे। सभी रैली के रूप में यहां से निकलकर बीपीएल चौराहा, गांधी चौराहा, बस स्टैंड, वंदे मातरम तिराहा होते हुए शहर कोतवाली पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में भारत सरकार से मांग की है कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्राप्त कर बांग्लादेश सरकार के विरूद्ध कडी कार्यवाही कर हिन्दू समाज के साथ बांग्लादेश में जो हो रहा है, उसे अविलम्ब हर हालत में रोका जाकर उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

समूचे अंचल में रहा बंद का असर...

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं के ऐलान पर मंदसौर जिले के कई इलाके बंद रहे। जिसमें गरोठ बाजार पूरी तरह बंद रहा। इसके अलावा मंदसौर, पिपलिया मंडी, मल्हारगढ़, नारायणगढ़, शामगढ़, सुवासरा, सीतामऊ, भानपुरा में बंद का असर दिखा। बड़ी संख्या में लोगो ने एकत्रित होकर बुधवार को मंदसौर में विरोध प्रदर्शन किया। संघ और विश्व हिंदू परिषद के ऐलान पर गरोठ नगर बंद रखा गया। साथ ही भानपुरा भी बंद रहा। विश्व हिंदू परिषद के राकेश आर्य बताते हैं कि करीब 10 बस गरोठ के आसपास से मंदसौर पहुंची। साथ ही 25 कार, 60 मोटरसाइकिल से लोग मंदसौर पहुंचे है।

यह रहे मंचासीन...

महाराणा प्रताप बस स्टैंड अभिव्यक्ति स्थल पर उपस्थित लोगो को संतो के साथ ही विहिप के वरिष्ठ श्री सचिन बघेल (इंदौर) ने विषय की गंभीरता और आज की आवश्यकता पर विचार प्रकट किए। इस अवसर पर परम पूज्य स्वामी नारायणानंद गिरिजी महाराज वामदेव आश्रम वृंदावन उत्तर प्रदेश, परम पूज्य राजेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज सोना कुटीर आश्रम हरिद्वार उत्तराखंड, परम पूज्य संत श्री श्वानासनंद जी महाराज श्री नारायण आश्रम वृंदावन धाम बरडियाखेडी, जैनाचार्य संत श्री परम पूज्य जिन सुंदर सूरीश्वर जी महाराज साहब, परम पूज्य संत श्री अरविनानंद जी सरस्वती महाराज जूना अखाडा टेकरी बालाजी पिपलिया मंडी, भागवत प्रवक्ता संत श्री मिथिलेश जी नागर, राम कथा प्रवक्ता श्री दशरथ भाई जी, संत श्री प्रकाश नाथ जी आलोट, मंगलमुखी किन्नर गुरु अनीता दीदी मंचासीन रहे। सभा के पश्चात विशाल रैली के रूप में जन समुदाय शहर के प्रमुख मार्गों से होकर शहर कोतवाली पहुंचा। यहां दिए गए ज्ञापन में मांग की गई कि संत श्री चिन्मय प्रभु की बिना शर्त रिहाई हो, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को तुरंत प्रभाव से रोकने के कदम उठाएं जाएं। मंदिरों और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। विस्थापित हिंदुओं को पुनर्वास प्रदान किया जाए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बांग्लादेश पर दबाव बनाया जाए। रैली में संत समाज, मातृ शक्ति और हजारों की संख्या में नागरिकगण शामिल रहे।

दस साल की मासूम से बलात्कार करने वाले को 20 साल की सजा

फास्ट ट्रेक सुनवाई, आठ माह में फैसला

मंदसौर, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। न्यायालय ने दस वर्षीय मासूम बालिका के साथ बलात्कार के आरोपी को 20 साल की सजा सुनाई है। साथ ही जुर्माना से भी दंडित किया है। महत्वपूर्ण बात यह रही कि गंभीर अपराध के इस मामले में आठ माह में ही फैसला सुनाकर आरोपी को दंडित किया गया।

मामला 20 अप्रैल 2024 का है। दस वर्षीय बालिका की मां ने भानपुरा थाने में शिकायत दर्ज कराई। जिसमें उसने बताया कि वह उसके बच्चों के साथ दुधाखेड़ी दर्शन करने आयी थी। इस दौरान आरोपी बनेसिंह उर्फ बन्ना उसकी 10 वर्षीय बालिका को खिलौने व हार दिलाने के बहाने साथ ले गया। खाल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया है। फरियादी की रिपोर्ट पर से पुलिस थाना भानपुरा पर विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उनि सुनील जाटव थाना भानपुरा द्वारा आरोपी को गिरफ्तार किया गया। प्रकरण की विवेचना पूर्ण होने पर अभियोग पत्र न्यायालय पेश किया .. **शेष पेज 4 पर**

नीलगाय: हर साल 9 करोड़ की फसल को बना रही शिकार

मुआवजा भी मुश्किल, सुरक्षा पर हजारों खर्च करता किसान

मंदसौर, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। हर साल जिले में लगभग सात हजार हेक्टेयर में उगाई गई लगभग नौ करोड़ रूपए कीमती फसल बर्बाद हो जाती है। इसका कारण है नीलगाय। बोमा प्रोजेक्ट में कुछ साल पहले 52 लाख रुपए खर्च किए गए। इसके बाद वन विभाग ने किसानों की फसल बचाने के लिए कोई कार्य योजना नहीं बनाई। फसलों की सुरक्षा को लेकर किसान हजारों रुपए खर्च करने को मजबूर है।

जिले के खेतों में रबी फसल को नीलगायें नुकसान पहुंचा रही है। जिले के मंदसौर, सीतामऊ, मल्हारगढ़, गरोठ और भानपुरा विकासखंड के गांव समान रूप से नीलगाय से प्रभावित माने जाते हैं। लगभग 65 हजार किसानों के खेतों में 9 करोड़ रुपए से ज्यादा की फसलें बर्बाद हो रही है। हर साल किसान की मेहनत पर नीलगाय पानी फेर रही हैं। किसान फसल बचाने के जतन कर रहा है। लेकिन, उसके प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं। अनुमान के मुताबिक मंदसौर-नीमच को मिलाकर जिले में छह हजार से ज्यादा नीलगायें हैं। इनसे मंदसौर में 65 हजार किसान परेशान है। इनमें करीब पचास गांव ऐसे हैं जहां नीलगायें हर साल नुकसान करती हैं। हर साल नीलगायें रबी व खरीफ सीजन में लगभग 7 हजार हेक्टेयर में लगभग 9 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाती है। हालांकि सालाना नुकसान और प्रभावित क्षेत्र को लेकर विभाग की और से कभी समग्र सर्वे नहीं हुआ। किसान फसल को बचाने के लिए खेतों की तार फेंसिंग और पर्दे लगाने पर लाखों रुपए खर्च कर रहे हैं बावजूद राहत नहीं मिल रही है।

मुआवजे की प्रक्रिया भी जटिल...

नीलगाय के कारण फसल नष्टहोने पर मुआवजे का प्रावधान राज्य सरकार ने पिछले साल ही किया है। इसमें फसल नष्ट होने पर 24 घंटे में किसान पटवारी को सूचना दें। पटवारी.. **शेष पेज 4 पर**

जिले में लगभग तीन सौ गांव नीलगाय प्रभावित...

✲ छह साल साल पहले हुए सर्वे के अनुसार प्रभावित 300 गांवों में 2800 नीलगायें थीं, वर्तमान में संख्या बढक़र इससे कई अधिक हो चुकी है। ✲ दिसंबर 2016 में बोमा पद्धति से 52 लाख के खर्चे में केवल 27 नीलगायें पकडी जा सकी थी। ✲ शासन ने नीलगायों की नसबंदी की योजना बनाई। लेकिन जिले में फिलहाल अमल नहीं हो पा रहा। ✲ इनका स्थायी हल निकालने में सरकार को कामयाबी नहीं मिल सकी है। ✲ बोमा प्रोजेक्ट के दौरान अधिकारी खेतों में खडी फसलों के बीच नील गायों को चिन्हित करने में परेशान रहे थे।

फसल बचाने के लिए यह किए जा सकते है प्रयास...

✲ **तारफेंसिंग:** खेतों के चारों और मोटी जाली वाली तारफेंसिंग कर नीलगाय के साथ जंगली सुअर से फसल की सुरक्षा की जा सकती है। ✲ **दवाइयां:** रासायनिक कीटनाशकों का छिड़काव किया जा रहा है। इसकी गंध से नीलगाय खेतों में नहीं आएगी। ✲ **पटाखों से:** रात में ज्यादा आवाज वाले पटाखे फोड़कर उन्हें डरा के भी भगाया जा सकता है। बारूद की गंध से भी नीलगाय भाग जाती है। ✲ **इलेक्ट्रॉनिक उपकरण:** खेत में बल्ब, चमकदार लाइट सीरिज बंद चालू होने वाली, छोटे बल्ब लगाने के साथ 5 मिनट के अंतराल में अलार्म बजाने वाला सर्किट लगा कर नीलगायों रोका जा सकता है।

कांग्रेस को जनमत के साथ सहयोगी दल भी छांट रहे...

मंदसौर/उज्जैन, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। इंडी गठबंधन का सबसे बड़ा दल कांग्रेस था। पर लोकसभा चुनाव के बाद के राज्यों के चुनाव की हार के बाद अब कांग्रेस के सहयोगी दलों ने उसे छांटना शुरू कर दिया है। सबसे ताजा मामला अडानी का ही है, इसे कांग्रेस सुप्रीमो राहुल गांधी मुख्य मुद्दा बनाकर संसद में नकारात्मक वातावरण बनाकर बाकी राजनीतिक दलों को गौण बना रखा था। संसद की कार्यवाही भी लगभग ठप्प सी थी। कांग्रेस इसी अडानी मुद्दे के सहारे मोदी सरकार को घेर भी रही थी और अपनी जनसाख का ग्राफ भी बढ़ा रही थी। इधर केंद्रीय कार्य समिति में भी कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने संगठन की कमियों को उजागर किया और पदाधिकारियो को जिम्मेदार ठहरा कर सख्त कार्रवाई के लिए तैयार रहने को कहा था। इस कारण कांग्रेस संगठन के भीतर ही भीतर नाराजी पनप रही थी।

दूसरी ओर अडानी मामले को लेकर इंडिया के सहयोगी दलों ने कांग्रेस से अडानी मामले को लंबा खींचने के कारण इस मुद्दे से स्वयं अलग कर लिया है। जैसे तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिजीत बनर्जी ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी पार्टी अब अडानी मामले को और लंबा खींचना नहीं चाहती है। इससे गंभीर और भी मामले हैं, जिन्हें संसद में उठाना है। शरद पवार की अडानी से दोस्ती के कारण एनसीपी इस मामले में पहले से ही अपना रूख स्पष्ट कर चुकी है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने भी दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने का ऐलान कर दिया है। लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के साथ कांग्रेस ने अपनी सीटों में इजाफ़ा कर विपक्ष के नेता का पद पा लिया है। बाद में हरियाणा की हार से सहयोगी दल सहम गए थे। इसके बाद महाराष्ट्र के नतीजे ने तो कांग्रेस को सभी सहयोगियों ने ही अलग कर दिया या स्वयं अलग हो गए।

चन्द्रमोहन भगत

नाराज सहयोगी दलों के सूत्रधारों का मानना है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रमुख मुद्दे संविधान, अडानी, जातिगत मतगणना जैसे मुद्दे जनमत को बार-बार प्रभावित नहीं कर सकते हैं। इसी कारण दोनों राज्यों में विधानसभा चुनाव में हार मिली है। अत: राहुल के इन प्रमुख मुद्दे से सहयोगी दलों ने किनारा कर लिया है। नाराज सहयोगी दल के नेता यह भी जान गए हैं कि जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकार रही थी, जैसे राजस्थान, छत्तीसगढ के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और भूपेश बघेल ने अडानी सेठ को अपने राज्यों में खुलकर अपना साम्राज्य फैलाने का अवसर दिया था। यह बातें सार्वजनिक थी। राहुल को भी मालूम था, तब राहुल ने उन्हें क्यों नहीं रोका था। सहयोगी दल के नेता इसे फायदा उठाने की दोहरी मानसिकता बता रहे हैं।

कांग्रेस के ही रेवंथ रेड्डी ने भी अडानी से 100 करोड रुपए का चेक लिया था। जिसे वापस करने की बात भी कह चुके हैं। राहुल गांधी अडानी सेठ को संसद में आरोपी ठहराने की मशक्कत करते हैं दूसरी तरफ उनके दो मुख्यमंत्री और सहयोगी शरद पवार दोस्ती निभाते हैं । ऐसी स्थिति में सहयोगी दलों का भरोसा हरियाणा और महाराष्ट्र हार के बाद कांग्रेस से उठ गया है। उनका मानना है की दोहरी मानसिकता वाली कांग्रेस के साथ रहे तो उनका जनाधार भी कांग्रेस की तरह घटने लगेगा। साथ ही उनके राज्यों के लिए और भी अनेक मामले हैं, जिन पर संसद में आवाज उठाना है। सिर्फ एक मुद्दे के लिए इतना समय नहीं दे सकते। इसे अडानी सेठ का प्रबंधन भी कहा जा सकता है। वसीम बरेलवी के इस शेर की तरह...

''उसी को हक है इस जमाने में जो इधर का
लगता रहे और उधर का हो जाए।''

कुल मिलाकर इंडिया के सहयोगी दलों को लगने लगा है कि कांग्रेस के पीछे चले तो नुकसान उठाना पडेगा। इसलिए कांग्रेस से अलग होकर संसद में अपने दल अपने राज्य की समस्याओं को प्राथमिकता देंगे। कांग्रेस अपने मुद्दे, अपना रास्ता जैसे चाहे अख्तियार करें। स्पष्ट कहें तो सभी अपनी लड़ाई खुद लड़ेंगे, कांग्रेस से अलग रहकर। कांग्रेस संसद में लगभग तिरस्कृत होकर अकेली पड गई है। दूसरी तरफ अपने ही संगठन में पुनर्गठन जिम्मेदारी और कार्रवाई की बातें कह कर खुद के समर्थकों को नाराज कर चुकी कांग्रेस अब अपने और परायों के आरोपों से घिर चुकी है। इसमें से निकल पाई तो निहाल, वरना बेहाल होना तो तय है।

परिवहन विभाग का भगवान ही मालिक

सवारी से ज्यादा माल लदान, बिना परमिट बसों की इंट्री

मंदसौर, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में परिवहन विभाग का भगवान ही मालिक है। अधिकारियों की बस मालिकों से जगलबंदी का परिणाम है कि जिला मुख्यालय पर ही नियमों का माखौल उड़ रहा है। टूरिस्ट परमिट व अन्य परमिट की नान स्टाप बसें भी धड़ल्ले से शहर में घुस रही है और सभी मुख्य मार्गों पर खडी रहकर यातायात बाधित कर रही है। जबकि, उनको बायपास से ही निकलना चाहिए। इसके अलावा कुछ बसें तो बिना परमिट ही चल रही है। जगह-जगह बुकिंग स्टाल खुल गए है और बसों में सवारियां कम और सामान ज्यादा अपलोड हो रहा है। परिवहन विभाग की मिलीभगत से सडक़ों पर दौड़ रही बसों को रोकने के लिए कोई उपाय नहीं किए जा रहे हैं। जबकि थोडे-थोडे समय के अंतराल में चल रही बसों के चालक भी समय

अन्य राज्यों की बसें भी दौड़ रही जिले में

कवर करने के चक्कर में शहर के अंदर भी तेज गति से बसे चला रहे हैं।

नीमच, मंदसौर से इंदौर-उज्जैन के लिए दिन भर में 30 से अधिक बसें चल रही हैं। परिवहन विभाग के सूत्रों की माने तो इनमें से महज 10-12 बसों का ही परमिट हैं। इधर सुबह से रात तक टूरिस्ट परमिट के नाम पर चलने वाली बसे महू-नीमच राजमार्ग पर जगह-जगह बने बुकिंग सेंटर के आस-पास खड़ी ही रहती है। शाम होने के बाद से इनके आने की संख्यो भी बढ़ जाती है। जबकि, इनको परमिट जहां से प्रारंभ होती है वहां से सीधे गंतव्य तक जाने का ही मिलता है। इसके बाद भी रास्ते में जगह-जगह सवारी तो बैठाते उतारते ही है। सामान भी उतारते-चढाते रहते हैं। इन सभी बसों के मंदसौर शहर में प्रवेश की अनुमति भी नहीं है। पर सभी बसे शहर में आ रही हैं।

चल रही दूसरे राज्यों की बसें...

जिले में कई बस मालिक तो ऐसे भी है जो परमिट वाली बस की जगह दूसरे राज्यों में पंजीकृत बसे चला रहे हैं। शिकायत के बाद भी परिवहन विभाग में कोई सुनवाई नहीं हो रही है। मंदसौर जिले में राजस्थान, गुजरात में पंजीकृत बसे भी चल रही है पर जिस दिन जांच करना होती है, उस दिन पहले ही बस मालिक को सूचना कर दी जाती है। जिससे वह बस ही नहीं चलाते हैं।

विचार-मंथन

त्योहारी मौसम के बाद भी अर्थव्यवस्था की रफ्तार सुस्त

जल्दी ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने के दावों के बीच चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में विकास दर 5.4 फीसद रहने के आंकड़े स्वाभाविक रूप से निराशाजनक हैं। हालांकि जुलाई-सितंबर की तिमाही में अक्सर विकास दर सुस्त देखी जाती है, मगर आर्थिक संगठनों और खुद सरकार ने इसके करीब सात फीसद के आसपास रहने का अनुमान लगाया था। अब कहा जा रहा है कि अगली छमाही में विकास दर अच्छी रहेगी। अक्तूबर-दिसंबर की तिमाही चूंकि त्योहारी मौसम की होती है, इसलिए इसमें वृद्धि देखी ही जाती है। मगर ताजा आंकड़े सकल घरेलू उत्पाद को लेकर चिंता पैदा करते हैं। दूसरी तिमाही में सबसे बुरी गत विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र की रही। विनिर्माण क्षेत्र की विकास दर 2.2 फीसद दर्ज हुई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 14.3 फीसद थी। निर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर पिछले वर्ष की समान अवधि की 13.6 फीसद से घट कर 7.7 पर पहुंच गई। इसी तरह आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों में वृद्धि दर घट कर 3.1 फीसद रह गई, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि में 12.7 फीसद थी। कृषि जैसे कुछ क्षेत्रों में मामूली वृद्धि को छोड़ दें, तो ज्यादातर क्षेत्रों में विकास दर सुस्त ही दर्ज हुई है। इस सुस्ती के पीछे तर्क दिए जा रहे हैं कि रेपो दर ऊंची रहने और महंगाई पर काबू न पाए जा सकने की वजह से उपभोक्ता व्यय घटा है। इसके अलावा राजस्व घाटा कम करने के उद्देश्य से सरकारी व्यय भी कम कर दिया गया है। इसका असर सकल घरेलू उत्पाद पर पड़ा है। मगर फिलहाल इन स्थितियों में सुधार की बहुत संभावना नजर नहीं आती। विनिर्माण क्षेत्र में विकास दर सुस्त रहने का अर्थ है कि बड़े पैमाने पर लोगों के सामने रोजगार का संकट बढ़ा है। यही क्षेत्र सबसे अधिक रोजगार उपलब्ध कराता है। रोजगार और लोगों की कमाई घटने का स्वाभाविक असर उपभोक्ता व्यय पर पड़ता है। लोग केवल जरूरी चीजों की खरीद करते हैं, विलासिता की और टिकाऊ कही जाने वाली वस्तुओं की खरीद कम होने लगती है। स्वाभाविक ही इससे उत्पादन घट जाता है। यह भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि पिछले नौ-दस वर्षों में लोगों की मजदूरी और औसत वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। लंबे समय से इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि जब तक लोगों की क्रयशक्ति नहीं बढ़ेगी, तब तक आर्थिक विकास के सारे उपाय तदर्थ ही साबित होंगे। अर्थव्यवस्था में मजबूती के लिए उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ अन्य पहलुओं पर भी संतुलन साधने की जरूरत होती है। निर्यात के मामले में लगातार निराशाजनक तस्वीरें आती रही हैं। चीन आदि देशों के साथ हमारा व्यापार घाटा निरंतर बढ़ रहा है। इसी तरह बेशक जीएसटी संग्रह में बढ़ोतरी के आंकड़े दर्ज हो रहे हों, पर हकीकत में राजकोषीय घाटा बढ़ रहा है। इस पर काबू पाने के लिए सरकारी व्यय में कटौती करनी पड़ रही है। जिस तरह विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार कमी आ रही है, उससे जाहिर है कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश सिकुड़ रहा है। ऐसी स्थिति में विकास परियोजनाओं पर भी बुरा असर पड़ेगा। आर्थिक विकास के ताजा आंकड़े सरकार के लिए चेतावनी हैं कि उसे तदर्थ और अव्यावहारिक उपायों के बजाय बुनियादी कमजोरियों को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जिसमें रोजगार और लोगों की आय में बढ़ोतरी के अवसर पैदा करने होंगे।

80 साल का हुआ अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

श्रीराम चेकुरी

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का प्रस्ताव जुलाई 1944 में ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में रखा गया था। यह मुख्य रूप से हैरी डेक्सटर व्हाइट और जॉन मेनार्ड कीन्स के विचारों पर आधारित था। आईएमएफ की स्थापना 44 सदस्य देशों द्वारा की गई थी। इसका मकसद आर्थिक सहयोग के लिए एक रूपरेखा बनाना था। यह उत्पादकता, रोजगार सृजन और आर्थिक कल्याण को बढ़ाने के लिए वित्तीय स्थिरता और मौद्रिक सहयोग को बढ़ावा देने वाली आर्थिक नीतियों का समर्थन करके अपने लक्ष्य को हासिल करता है। इसके साथ ही यह अपने सभी 190 सदस्य देशों के लिए सतत विकास और समृद्धि प्राप्त करने के लिए भी काम करता है। विकास बैंकों के विपरीत, आईएमएफ विशिष्ट परियोजनाओं के लिए ऋण नहीं देता है। इसके बजाय, आईएमएफ संकटग्रस्त देशों को आर्थिक स्थिरता और विकास को बहाल करने वाली नीतियों को लागू करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह संकटों को रोकने में मदद करने के लिए एहतियाती वित्तपोषण भी प्रदान करता है। देशों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए आईएमएफ ऋण को लगातार परिष्कृत भी करता है। आईएमएफ के तीन महत्वपूर्ण मिशन अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग को आगे बढ़ाना। व्यापार और आर्थिक विकास के विस्तार को प्रोत्साहित करना। समृद्धि को नुकसान पहुंचाने वाली नीतियों को हतोत्साहित करना। वर्तमान समय में संकटों के कारण विविध और जटिल हैं। यह घरेलू और बाहरी दोनों में से एक या दोनों हो सकते हैं। घरेलू कारकों में अनुचित राजकोषीय और मौद्रिक नीतियां शामिल हैं। जिनकी वजह से चालू खाते और राजकोषीय घाटे बढ़ते हैं। इसके अलावा उच्च सार्वजनिक ऋण स्तर भी एक कारक है। इसके अलावा आईएमएफ मानता है कि एक अनुचित स्तर पर तय की गई विनिमय दर, जो प्रतिस्पर्धा को नष्ट कर सकती है अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी नहीं होती है। एक कमजोर वित्तीय प्रणाली, जो आर्थिक उछाल और मंदी पैदा कर सकती है के बारे में भी आईएमएफ देशों को चेतावनी जारी करता रहता है। राजनीतिक अस्थिरता और कमजोर संस्थान भी संकटों को ट्रिगर कर सकते हैं।बाहरी कारकों में प्राकृतिक आपदाओं से लेकर कमोडिटी की कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव तक के झटके शामिल हैं जो संकटों के सामान्य कारण हैं, खासकर कम आय वाले देशों के लिए। यहां तक कि मजबूत बुनियादी ढांचे वाले देश भी आर्थिक संकटों और नीतियों से गंभीर रूप से प्रभावित हो सकते हैं, जैसा कि वर्ष 2008 में अमेरिका में हुआ था। कोविड-19 महामारी दुनिया भर के देशों को प्रभावित करने वाले बाहरी झटके का एक उदाहरण थी, आईएमएफ ने सबसे कमजोर देशों की रक्षा करने और आर्थिक सुधार के लिए मंच तैयार करने में मदद करने के लिए अभूतपूर्व वित्तीय सहायता की। भुगतान संतुलन की समस्या तब होती है जब कोई देश आवश्यक आयातों के लिए भुगतान करने या अपने बाहरी ऋण की सेवा करने में असमर्थ होता है। भारत को दिवंगत प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के समय में एक गंभीर संकट का सामना करना पड़ा, अंततः भारत को उस बुरे दौर से उबारने के लिए ग्रेट ब्रिटेन के पास सोना गिरवी रखना पड़ा था। आईएमएफ अपने ज्ञान को वित्त मंत्रालयों, केंद्रीय बैंकों, सांख्यिकीय एजेंसियों, वित्तीय पर्यवेक्षी एजेंसियों और राजस्व प्रशासन जैसे सरकारी संस्थानों के साथ व्यावहारिक सलाह के माध्यम से साझा करता है। हाल के वर्षों में कई देश राजकोषीय चुनौतियों का सामना कर रहे है ऐसे में राजकोषीय विकास की बहुपक्षीय निगरानी आईएमएफ की जिम्मेदारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है। आईएमएफ आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर ज्ञान के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में कार्य करता है। पिछले आठ दशकों में, इसने विश्व स्तर पर अग्रणी विशेषज्ञता और अनुभव का भंडार विकसित किया है। जिसके माध्यम से हमें पता चलता है कि कौन सी नीतियां कारगर होती हैं, वे विकास को क्यों बढ़ावा देती हैं और उनका सर्वोत्तम क्रियान्वयन कैसे किया जाए। आईएमएम समय समय पर सरकारों को सलाह देता है कि राजस्व कैसे जुटाए जाएं। इसके साथ ही कर तथा सीमा शुल्क नीतियों, बजट निर्माण, घरेलू और विदेशी ऋण, तथा सामाजिक सुरक्षा जाल सहित व्यय का प्रभावी प्रबंधन पर भी देशों को आईएमएफ से मदद मिलती है। लाइबेरिया ने राजस्व बढ़ाने और आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं के वित्तपोषण के लिए एक आधुनिक कर संरचना स्थापित करने में मदद के लिए आईएमएफ से संपर्क किया। आईएमएफ ने लाइबेरिया के खातों की ऑडिट की और करदाता सेवाओं को मजबूत करने में मदद की। 2014 में इबोला संकट को बेहतर ढंग से निपटने के लिए लाइबेरिया राजस्व प्राधिकरण की स्थापना को भी अपना सहयोग दिया। आईएमएफ की 2024 की समीक्षा फंड की क्षमता विकास के विकास को आगे बढ़ाने के लिए इन सुधारों पर आधारित है। यह सीडी को अधिक लचीला बनाने, फंड के आर्थिक विश्लेषण और ऋण गतिविधियों के साथ बेहतर ढंग से एकीकृत करने, तथा सदस्यों की आवश्यकताओं के अनुरूप अच्छी तरह से तैयार करने का आह्वान करता है।आईएमएफ अपने सदस्य देशों को सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन, कर नीति और प्रशासन, बैंकिंग पर्यवेक्षण, मौद्रिक और विनिमय दर नीति, आधिकारिक सांख्यिकी, तथा कानूनी मुद्दों जैसे कई क्षेत्रों में तकनीकी सहायता प्रदान करता है। सदस्य देशों के अनुरोध पर, आईएमएफ कर्मचारी तकनीकी सहायता रिपोर्ट तैयार करते हैं। 1980 के दशक में, कई कम आय वाले विकासशील देश, विशेष रूप से अफ्रीका, कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। तब आईएमएफ ने 1987 में संवर्धित संरचनात्मक समायोजन फैसेलिटी शुरू की, जिसे विशेष रूप से भुगतान संतुलन की समस्याओं को दूर करने के लिए गरीब देशों को कम ब्याज दर पर ऋण प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया था। राजकोषीय, मौद्रिक और वित्तीय नीतियों को हमेशा मैक्रो-क्रिटिकल माना जाता रहा है। देश-विशिष्ट विशेषताओं के आधार पर, मैक्रो-क्रिटिकलिटी जलवायु परिवर्तन, असमानता, डिजिटल विकास और जनसांख्यिकीय बदलाव जैसे मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला तक विस्तारित हो सकती है।

क्या 'हम दो-हमारे दो' का नारा हुआ पुराना

पवन उप्रेती

भारत में पिछले कुछ सालों में 'हम दो-हमारे दो' का नारा चर्चा में रहा है। यह नारा इसलिए दिया गया था क्योंकि भारत की बढ़ती आबादी पर रोक लगाई जा सके लेकिन अब एक नई चर्चा शुरू हो गई है कि ज्यादा बच्चे पैदा किए जाने चाहिए। रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने एक कार्यक्रम में तीन बच्चे पैदा करने की वकालत की जबकि दक्षिण भारत में तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश के राज्य ज्यादा बच्चे पैदा करने की बात कह चुके हैं। इसी साल अक्टूबर में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा था कि दक्षिण में विशेषकर आंध्र प्रदेश में लोगों को कम से कम दो या उससे ज्यादा बच्चे पैदा करने चाहिए जबकि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने तो 16 बच्चे पैदा करने तक की बात कह दी थी। भारत में फर्टिलिटी रेट यानी प्रजनन दर लगातार गिरती जा रही है और इस वजह से देश में वृद्धावस्था यानी बुजुर्गों की आबादी बढ़ रही है। ऐसा अनुमान है कि 2050 तक हर पांच में से एक शख्स 60 साल या इससे अधिक की उम्र का होगा और दक्षिण के राज्यों में इसका असर कहीं ज्यादा होगा और इससे नायडू और स्टालिन की चिंता को समझा जा सकता है। कुछ दिन पहले ही आंध्र प्रदेश की सरकार ने टू चाइल्ड पॉलिसी को खत्म कर दिया था। इस पॉलिसी के तहत दो या उससे ज्यादा बच्चे वालों के स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने पर रोक थी और अब यह माना जा रहा है कि आंध्र प्रदेश का पड़ोसी राज्य तेलंगाना भी ऐसा कर सकता है। तेलंगाना सरकार के एक आला सरकारी अफसर ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि इस संबंध में जल्द ही कैबिनेट की होने वाली बैठक में प्रस्ताव लाया जा सकता है। अफसर ने बताया कि हमारे पास ऐसे बहुत सारे ठोस तथ्य हैं, जो बताते हैं कि हम उस वक्त की ओर बढ़ रहे हैं जब राज्य की आबादी बूढ़ी हो जाएगी और 2047 तक तेलंगाना को अधिक युवाओं और बच्चों की जरूरत होगी। आंध्र प्रदेश की सरकार ने जब टू चाइल्ड पॉलिसी को रद्द किया था तो कम प्रजनन दर और लोगों की बढ़ती उम्र को लेकर चिंता जताई थी। आंध्र प्रदेश के सूचना और जनसंपर्क मंत्री पार्थसारथी ने पिछले महीने कहा था कि आंध्र का टोटल फर्टिलिटी रेट टीएफआर बेहद कम है। उन्होंने कहा था कि राष्ट्रीय स्तर पर टीएफआर 2.11 है, जबकि आंध्र में यह केवल 1.5 है। यूनाइटेड नेशंस पॉपुलेशन फंड और और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पॉपुलेशन साइंसेज की ओर से तैयार की गई इंडिया एग्रीकल्चर रिपोर्ट 2023 के मुताबिक आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना में बुजुर्गों की आबादी न केवल उत्तर भारत के राज्यों जैसे- बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, राजस्थान और मध्य प्रदेश की तुलना में पहले से ही ज्यादा है बल्कि 2021 और 2036 के बीच यह और अधिक दर से बढ़ेगी। इंडिया एग्रीकल्चर रिपोर्ट 2023 के मुताबिक प्रति 100 बच्चों (15 वर्ष से कम) पर बुजुर्गों (60 वर्ष से अधिक) की संख्या मध्य और पूर्वोत्तर क्षेत्रों की तुलना में दक्षिण और पश्चिम में अधिक होगी। दक्षिणी राज्यों में 2036 तक प्रति 100 बच्चों पर 61.7 बुजुर्ग होंगे, वहीं जम्मू - कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान में कुल मिलाकर यह संख्या प्रति 100 बच्चों पर 38.9 बुजुर्ग होंगी। टू चाइल्ड पॉलिसी तब अस्तित्व में आई थी जब यह पता चला था कि 1981 और 1991 की जनगणना के बीच जनसंख्या नियंत्रण के लिए उठाए गए कदम उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं दे रहे थे। राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) ने इस मामले में एक समिति बनाई थी जिसकी अध्यक्षता उस समय केरल के मुख्यमंत्री के. करुणाकरण ने की थी। समिति ने सुझाव दिया था कि जिन लोगों के दो से ज्यादा बच्चे हैं, उन्हें पंचायत से लेकर संसद तक सरकारी पदों पर रहने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। 13 राज्यों ने इस नीति को लागू किया था। अगर इसे खत्म कर दिया जाता है, तो तेलंगाना इस नीति को खत्म करने वाला देश का छठा राज्य बन जाएगा। आंध्र प्रदेश से पहले छत्तीसगढ़ , हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश ने इसे खत्म कर दिया था।

संविधान से क्यों नहीं हटेगा सेकुलर शब्द?

भारतीय संविधान की प्रस्तावना में सेकुलर और सोशलिस्ट शब्द जोड़े जाने को लेकर चल रहे विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने विराम लगा दिया। इससे जुड़ी याचिका सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में खारिज कर दी। 1976 में इमरजेंसी के दौरान संविधान संशोधन के जरिये प्रस्तावना में सेकुलर और सोशलिस्ट शब्द जोड़े गए थे। इसे लेकर शीर्ष अदालत के सामने सवाल उठाए गए थे। इन सवालों पर सुप्रीम कोर्ट कई बार पहले भी व्यवस्था देते हुए कह चुका है कि सेकुलरिज्म संविधान का मूलभूत अंग है। संविधान की मूल प्रस्तावना में सेकुलर शब्द नहीं था। संविधान सभा में सेकुलर और सोशलिस्ट शब्द जोड़ने के लिए संशोधन प्रस्ताव पेश किया गया था। लेकिन उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया। तब संविधान की प्रस्तावना में 'संप्रभुतासंपन्न, लोकतांत्रिक गणराज्य' ही लिखा गया। इसी रूप में संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू कर दिया गया। बाद में इंदिरा गांधी की सरकार के दौरान 1976 में संशोधन के जरिये संविधान की प्रस्तावना में 'संप्रभुता संपन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य' लिखा गया। इसी संशोधन को अदालत में चुनौती दी गई थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने पिछले हफ्ते खारिज कर दिया। यही नहीं, कोर्ट ने मामले को लार्जर बेंच के पास भेजने से भी इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संसद को संविधान की प्रस्तावना में भी संशोधन करने का अधिकार है। उसे यह अधिकार अनुच्छेद-368 के तहत हासिल है। अदालत ने कहा कि 44 साल बाद संशोधन प्रक्रिया को अमान्य नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि सेकुलरिज्म संविधान की मूलभूत विशेषता है। मूल रूप से, धर्मनिरपेक्षता का विचार समानता के अधिकार के एक पहलू का प्रतिनिधित्व करता है, जो संवैधानिक ढांचे के पैटर्न को दर्शाने वाले बुनियादी ताने-बाने में गहराई से बुना हुआ है। भारत ने समय के साथ धर्मनिरपेक्षता की अपनी व्याख्या विकसित की है, जिसमें राज्य न तो किसी धर्म का समर्थन करता है और न ही किसी धर्म का पालन और अभ्यास करने से मना करता है। अदालत ने स्पष्ट किया कि भारतीय संदर्भ में समाजवाद का मतलब भी खास आर्थिक नीतियां अपनाने के लिए बाध्य करना नहीं है। समाजवाद का अर्थ सिर्फ इतना है राज्य की प्रतिबद्धता एक कल्याणकारी राज्य के रूप में सभी नागरिकों को समान अवसर सुनिश्चित करने की है। केशवानंद भारती बनाम केरल मामले में 1973 में दिए गए ऐतिहासिक फैसले में सुप्रीम कोर्ट की 13 जजों की संविधानपीठ ने संविधान के बेसिक स्ट्रक्चर को परिभाषित किया था। कोर्ट ने कहा था कि बेसिक स्ट्रक्चर के साथ छेड़छाड़ नहीं हो सकती। ऐसे ही एस.आर. बोम्मई बनाम केंद्र सरकार मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि धर्मनिरपेक्षता भारत के संविधान की आधारशिला है। आर.सी. पौड्याल बनाम केंद्र सरकार केस में सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि शुरू से ही संविधान का अभिप्राय सभी धर्मों को समान रूप से सम्मान देने और उनके साथ बिना भेदभाव के व्यवहार करने का था। एम. इस्माइल फारूकी बनाम केंद्र सरकार मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने व्यवस्था दी कि राज्य का कोई धर्म नहीं होता और सभी व्यक्तियों को धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त है। धर्मनिरपेक्षता भारत की संवैधानिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण तत्व है। इसे समानता के अधिकार का एक पहलू माना जाता है, जो संविधान की मूल संरचना के ताने-बाने में समाहित है। लेकिन एक सवाल हमेशा उठता रहा है कि प्रस्तावना में जिस तरह से सेकुलर व सोशलिस्ट शब्द संविधान संशोधन के जरिये डाले गए क्या उसी तरह से संविधान संशोधन के जरिये इन्हें हटाया भी जा सकता है? कानून के जानकार व सीनियर एडवोकेट एमएल लाहोटी बताते हैं कि अब संविधान संशोधन के जरिये सेकुलर शब्द प्रस्तावना से हटाया नहीं जा सकता। केशवानंद भारती केस में सुप्रीम कोर्ट ने 1973 में कहा था कि संविधान संशोधन का संसद को अधिकार है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5437

	4	7			3			5
			6	8	7		4	
			2	4		9		7
		6					1	8
				1				
2	7					5		
8		5		6	1			
	9		8	5	2			
1			9			8	5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5436

1	4	7	9	5	3	8	2	6
9	5	3	8	6	2	4	7	1
6	2	8	1	7	4	9	5	3
3	6	9	7	1	8	5	4	2
4	1	2	3	9	5	6	8	7
7	8	5	4	2	6	1	3	9
2	9	1	5	8	7	3	6	4
5	3	6	2	4	1	7	9	8
8	7	4	6	3	9	2	1	5

वर्ग पहेली 5437

संकेत: बाएं से दाएं
1. 1781 को इस देश के निवासियों द्वारा [illegible] की स्थापना की गई (2)
3. [illegible] का सबसे अधिक उत्पादन और उपभोग इस देश में होता है (3)
6. [illegible] (4)
8. प्रबल अभिलाषा, तीव्र उत्कंठा (3)
10. मस्तक, माथा (3)
11. [illegible] (4)
12. अस्वीकार करना, नकारना, सहमति देना (4)
15. प्रकार, ढंग, विधि (3)
18. घोर ध्वनि करना, गर्जन करना, गाजना (4)
20. [illegible] (2)
21. [illegible] (2)
22. पहने का ढंग, [illegible] (3)
24. क्रोध या आवेश में आने का भाव, उत्तेजना, झुंझलाहट (3)
25. [illegible] (3)

संकेत: ऊपर से नीचे
1. विशिष्ट, अलौकिक, महान (3)
2. [illegible] (4)
3. [illegible] (2)
4. [illegible] (3)
5. [illegible] (3)
7. ड्रामा, अभिनेता द्वारा मंच [illegible], दूरदर्शन आदि पर अभिनय प्रदर्शन (3)
9. [illegible] (3)
11. [illegible] (3)
13. [illegible] (4)
14. सुप्रसिद्ध कवि कालिदास की प्रसिद्ध कृति (4)
16. कानून के मुताबिक, विधान के अनुसार (4)
17. [illegible] (3)
19. [illegible] (3)
23. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5436 का हल

आज का राशिफल

नपा कार्यालय में 14 को लगेगी नेशनल लोक अदालत

मंदसौर, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। 14 दिसम्बर, शनिवार को प्रात: 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक नपा कार्यालय में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं म.प्र. शासन के निर्देशानुसार नेशनल लोक अदालत लगाई जाएगी। इसमें नगरपालिका के सम्पत्ति कर, समेकित कर, स्वच्छता कर के अधिभार में शासन के नियमों के अनुसार 25, 50 व 100 प्रतिशत की छूट प्रदान की जायेगी। नगर के वे बकायादार जिन्होंने अपना सम्पत्ति कर या जलकर जमा नहीं कराया है वे नपा कार्यालय में आकर लोक अदालत का लाभ ले और बकाया कर जमा कराकर पेनल्टी में छूट का लाभ ले। इस आशय की अपील नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने प्रेस वक्तव्य के माध्यम से की है।

नीमच में युवा संगम रोजगार मेला कल

नीमच, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय आई.टी.आई.नीमच (डुंगलावदा) में 6 दिसम्बर को युवा संगम (रोजगार/अप्रेन्टिशिप मेला) कार्यक्रम प्रात:11 बजे से आयोजित किया जा रहा है। इच्छुक बेरोजगार युवक-युवतियां कार्यक्रम में उपस्थित होकर लाभ उठा सकते हैं। युवा संगम कार्यक्रम में जिले की प्रतिष्ठित कम्पनियों व जिले से बाहर की कम्पनियों के प्रतिनिधियों द्वारा युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाया जाएगा। साक्षात्कार के समय कम्पनी सम्बंधी जानकारी स्वयं प्राप्त करें। आवेदन के लिए अपनी सी.वी., रिज्यूम की कॉपी साथ लेकर कार्यक्रम में उपस्थित हो। युवा संगम कार्यक्रम में जो कम्पनी अपनी स्टाल लगाना चाहती हैं। वह मो.नम्बर 9429003300 पर सम्पर्क कर सकते हैं। यह जानकारी जिला रोजगार अधिकारी श्रीमती कमला चौहान ने दी है।

विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग थीम पर आयोजित हो रहा है इस बार का युवा महोत्सव

मंदसौर, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी राष्ट्रीय युवा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है। इसमें भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी के लिये आज 5 दिसम्बर अंतिम तिथि है। युवा प्रतिभागी मायभारत पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते है। नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी अभिलाष म्हस्के द्वारा जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस बार का युवा महोत्सव बेहद खास और अलग होगा। इस बार की जो थीम है वह काफी नई और यूनिक है विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग के थीम पर आधारित चार चरणों में इस कार्यक्रम का आयोजन होगा। जिसमें युवा द्वारा मायभारत पोर्टल पर जाकर प्रतिभाग कर सकते है।

15 से 29 वर्ष के युवा इस कार्यक्रम में हिस्सा ले सकते हैं। पहले चरण में विकसित भारत की थीम पर ऑनलाइन क्विज कंपटीशन का आयोजन मायभारत पोर्टल पर होगा। इसमें से चुने गए प्रतिभागी दूसरे चरण में ऑनलाइन निबंध लेखन में भाग लेंगे। तीसरे लेवल पर स्टेट चैंपियनशिप भोपाल में और चौथी और आखिरी चरण में नेशनल चैंपियनशिप नई दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री की मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा यंग माइंड को अपने देश की संस्कृति, इतिहास और सभ्यता से जोड़ना होगा और साथ ही साथ युवाओं से संवाद कर उनके विचार को प्रमुखता के साथ राष्ट्रीय स्तर पर साझा करना होगा। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग राष्ट्रीय युवा महोत्सव के दौरान 11 और 12 जनवरी 2025 को आयोजित होगा। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली के भारत मंडपम में 3000 युवा नेताओं के साथ संवाद करेंगे। इन 3000 युवा नेताओं में से 1500 प्रतिभागियों का चयन विकसित भारत चैलेंज के माध्यम से एमवाय भारत प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा। राष्ट्रीय युवा महोत्सव - विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग का उद्देश्य युवाओं की प्रतिभा को पहचानना और उसे प्रोत्साहित करना है, जिससे उन्हें ष्विकसित भारत के लिए अपने विचार साझा करने का एक मंच मिल सके। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण यह होगा कि युवा सीधे प्रधानमंत्री के साथ संवाद कर सकेंगे और भारत के भविष्य के लिए अपने विचार प्रस्तुत करेंगे, जिससे राजनीति और सामाजिक जीवन में युवाओं की भागीदारी बढ़ेगी। नेहरू युवा केंद्र मंदसौर के जिला युवा अधिकारी अभिलाष म्हस्के ने अधिक से अधिक विद्यार्थियों से भाग लेने की अपील की है।

मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से जिले के 309 हितग्राहियों को 6 करोड़ 86 लाख का हितलाभ प्रदान किया

मंदसौर, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भोपाल से प्रदेश के साथ-साथ मंदसौर जिले के 309 हितग्राहियों को संबल योजना अंतर्गत 6 करोड 86 लाख की अनुग्रह सहायता राशि का हितलाभ प्रदान किया। संपूर्ण प्रदेश के 10 हजार 236 हितग्राहियों को 225 करोड रुपए की अनुग्रह सहायता राशि का भुगतान सिंगल क्लिक के माध्यम से किया। जिले में कार्यक्रम का प्रसारण एनआईसी कक्ष मंदसौर के माध्यम से किया गया। इसके साथ ही उक्त कार्यक्रम सभी जनपद पंचायत, नगरीय निकायों में देखा और सुना गया। इस दौरान मंदसौर ऐनआईसी कक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, श्रम अधिकारी श्री प्रकाश डोडवे, संबल योजना के हितग्राही मौजूद थे।

आईटीआई नीमच में युवा संगम कार्यक्रम कल

नीमच, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थायन नीमच में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार 6 दिसम्बर 2024 को प्रात: 11 बजे उपरान्ह 3 बजे तक युवा संगम कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कलेक्टर द्वारा अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं। जिला रोजगार अधिकारी श्रीमती कमला चौहान युवा संगम कार्यक्रम में रोजगार मेला व अप्रेन्टिसशिप मेले के लिए नियोजकों कम्पानियों को आमंत्रित करेगी। साथ ही बेरोजगार युवाओं को भी कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाएगा। महाप्रबंधक उद्योग सुश्री योगिता भटनागर विभिन्ना विभागों से समन्वय कर स्वरोजगार योजनाओं से संबंधित कार्यक्रम स्थल पर स्टॉल लगवाने का दायित्व निर्वहन करे।

लोटखेड़ी एवं जग्गाखेड़ी में शुष्क दिवस घोषित

मंदसौर, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने बताया कि म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायतों के उप निर्वाचन वर्ष-2024 उत्तरार्द्ध हेतु निर्वाचन मंदसौर में जनपद पंचायत सदस्य एवं सरपंच पद के उप निर्वाचन वर्ष 2024 के लिए मतदान 9 दिसम्बर को जनपद पंचायत क्षेत्र लोटखेडी एवं ग्राम पंचायत क्षेत्र जग्गाखेडीमनु की सीमा में और उसकी सीमा से लगे ग्राम पंचायतों में स्थित दुकानों में तथा नगर से निकलने वाले राज्य राजमार्ग /राष्ट्रीय राजमार्ग / मुख्य जिला सडक से दोनो सीमा से बाहर 03 किलोमिटर की दूरी तक में स्थित समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानों को मतदान समाप्ति के नियत समय से 48 घण्टे पूर्व अर्थात 7 दिसम्बर को अपरान्ह 3 बजे से 9 दिसम्बर 24 को मतदान समाप्ति तक केलिए शुष्क दिवस घोषित किया गया। शुष्क दिवस के दौरान संचालित होने वाली समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानें एवं समस्त आबकारी केन्द्र पूर्णत: बंद रखा जाकर क्रय/विक्रय प्रतिबंधित किया जाता है।

राज्य स्तरीय कब बुलबुल उत्सव हेतु मंदसौर जिले ने की दावेदारी

मंदसौर, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भारत स्काउट गाइड जिला संघ मंदसौर के जिला मुख्य आयुक्त अंशुल बैरागी एवं जिला प्रभारी प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती दीपिका बैरागी ने राज्य मुख्य आयुक्त पूर्व मंत्री पारस जैन एवं सहायक राज्य संगठन आयुक्त डॉ सुरेश पाठक को पत्र लिखकर राज्य स्तरीय कब बुलबुल उत्सव मंदसौर जिले में आयोजित करने हेतु अपना पत्र जिला रोवर्स कमिश्नर एनडी वैष्णव ,कब कमिश्नर हरीश नामदेव, जिला सचिव सलमा शाह, रोशन बाबू लीलग़र ने पत्र राज्य संगठन आयुक्त डॉ सुरेश पाठक को सौंपकर आग्रह किया कि मंदसौर जिले की वार्षिक गतिविधियों के आधार पर मंदसौर जिले को राष्ट्रीय राज्य स्तरीय कार्यक्रम करने का मौका दें।

उन्होंने मंदसौर जिले की वार्षिक कार्यक्रमों की बुकलेट भी डॉ पाठक को सौंपी। अंशुल बैरागी जिला मुख्य आयुक्त ने राज्य मुख्य आयुक्त पूर्व कैबिनेट मंत्री विधायक श्री पारस जैन एवं जिला कमिश्नर उज्जैन राज्य कोषाध्यक्ष रमेश शर्मा, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश चित्तौडा से भी आग्रह किया कि मंदसौर जिले को राज्य राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति प्रदान करें। सभी अधिकारियों ने मंदसौर जिले की व्यवस्थाएं हेतु एवं कार्यक्रम स्थल चयन के लिए शीघ्र ही सहायक राज्य संगठन आयुक्त एवं राज्य संगठन आयुक्त स्काउट डॉ सुरेश पाठक को मंदसौर का दौरा कर आवश्यक जानकारी लेने हेतु निर्देशित किया। डॉ सुरेश पाठक शीघ्र ही स्थान चयन हेतु मंदसौर जिले का दौरा का कार्यक्रम को अंतिम रूप देंगे।

विद्युत चोरी के प्रकरण में लोक अदालत 14 को

मंदसौर, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी लिमिटेट के अधीक्षण यंत्री ने बताया कि कि जिला एवं सत्र न्यायालय मंदसौर द्वारा मंदसौर /मल्हारगढ /सीतामउ संभाग के विभिन्न न्यायालयीन प्रकरणों एवं उपभोक्ताओं के विरूद्ध विशेष न्यायालय मंदसौर में चल रहे विद्युत चोरी के प्रकरणों का 14 दिसम्बर शनिवार को आयोजित नेशनल लोक अदालत में निराकरण किया जावेगा। इसी प्रकार गरोठ संभाग के न्यायालयीन विद्युत चोरी के प्रकरणों का निराकरण तहसील न्यायालय गरोठ व भानपुरा में किया जावेगा। ऐसे समस्त उपभोक्ता जिनके विरूद्ध विद्युत चोरी के प्रकरण विशेष न्यायालय में लंबित है उनको सलाह दी जाती है कि वे 14 दिसम्बर को आयोजित लोक अदालत के माध्यम से कंपनी की ओर से जारी नियमानुसार छुट का लाभ लेकर प्रकरण का निराकरण करावें। कंपनी की ओर से विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिये लंबित प्रकरणों में निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू ,समस्त कृषि, 5 किलोवाट भार तक के गैर घरेलू 10 एच.पी. भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20% छूट प्रदान की जावेगी, साथ ही लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जावेगी। प्री-लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंलकित सिविल दायित्व की राशि पर 30% छूट प्रदान की जावेगी एवं लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जावेगी। अत: वे समस्त उपभोक्ता जिनके प्रकरण न्यायालय में लंबित है अथवा पूर्व दावे लोक अदालत के समक्ष निराकरण हेतु लंबित है, उनसे अनुरोध है कि वे 14 दिसम्बर 2024 को शनिवार को आयोजित लोक अदालत में उपस्थित होकर कंपनि द्वारा नियमानुसार जारी छूट एवं राहत योजनाओं का लाभ उठाकर न्यायालयीन प्रक्रिया से छुटकारा पावें।

भाजपा सरकार में अराजकता का माहौल-शर्मा

16 दिसम्बर को विधानसभा घेराव को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक सम्पन्न

मल्हारगढ़, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जीतू जी पटवारी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंगार जी, मन्दसौर जिला कांग्रेस के संगठन प्रभारी श्री जयवर्द्धन सिंह जी के नेतृत्व में जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं मन्दसौर विधायक श्री विपिन जी जैन की अगुवाई में 16 दिसम्बर को भाजपा की जनविरोधी नीतियों को लेकर पैदल मार्च कर विधानसभा का घेराव किया जाएगा।

आंदोलन को प्रभावी बनाए जाने को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मल्हारगढ द्वारा बुधवार को राजीवगांधी उद्यान में बैठक आयोजित कीगई ।बैठक को संबोधित करते हुवे मल्हारगढ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की वादा खिलाफी, बढ़ते भ्रष्टाचार, अजा, अजजा, अल्पसंख्यको, महिलाओं के साथ होरहे अत्याचार, किसानों की समस्याएं, बढ़ती हुई बेरोजगारी एवं अन्य ज्वलन्त मुद्दों को लेकर विधानसभा का घेराव किया जाएगा, भाजपा सरकार में अराजकता का माहौल है कोई भी सुरक्षित नही है। शर्मा ने बताया कि बैठक में आंदोलन को लेकर अलग अलग जवाबदारियां भी सौपी गई है ओर आंदोलन के पेम्पलेट भी वितरित किये गए। इस मौके पर ब्लॉक कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष कन्हैयालाल पाटीदार सूपडा, जिला कांग्रेस के महामन्त्री अनिल बोराना, कांग्रेस नेता विजेश मालेचा, इशरत शेख, उपाध्यक्ष लियाकत मेव, सचिव किशनलाल चौहान, महेंद्र गेहलोत, किसान कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश पाटीदार, नगर कांग्रेस अध्यक्ष रामप्रसाद फरक्या, कोहिनूर मेव, नेमीचंद डाका, फारुख पठान, मंडल अध्यक्ष दिनेश गुप्ता काचरिया, किशोर उणियारा, ब्लॉक कांग्रेस उपाध्यक्ष अनिल मुलासिया, सेक्टर अध्यक्ष खुमानसिंह सोनगरा, परमानंद पाटीदार, भेरूलाल पप्पू गुर्जर, नागेश्वर चौहान, नाथूलाल पाटीदार, जसवंत सिंह सरोद, कांग्रेस नेता बंशीलाल पाटीदार, छोटेलाल सैनी, राजेश शर्मा, दुर्गाशंकर गरासिया, कन्हैयालाल धनगर, वरदीचंद सूपडा, रामनारायण मालवीय, राहुल धनगर, जीवनदास बैरागी, बालकृष्ण मांदलिया आदि मौजूद थे।

नेशनल लोक अदालत हेतु तहसील न्यायालय गरोठ, भानपुरा एवं सीतामऊ में बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री कपिल मेहता के मार्गदर्शन में दिनांक 14 दिसंबर 2024 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु जिला मुख्यालय और तहसील न्यायालयों - गरोठ, भानपुरा, सीतामऊ एवं नारायणगढ में अधिक से अधिक मामलों के राजीनामा के माध्यम से निराकरण के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी उद्देश्य से दिनांक 4 दिसंबर 2024 को जिला न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री सिद्धार्थ तिवारी ने तहसील न्यायालयों सीतामऊ, गरोठ, और भानपुरा में न्यायाधीशगण एवं अभिभाषकगण के साथ महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित कीं।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिद्धार्थ तिवारी ने अभिभाषक गण एवं न्यायाधीशगण से आग्रह किया की वे अधिक से अधिक मामलों को चिन्हित कर उनमें त्वरित नोटिस जारी कर पक्षकारगण को सुलह कार्यवाही हेतु बुलवाए। सचिव महोदय द्वारा यह भी निर्देश दिया गया कि लोक अदालत के लाभों की जानकारी जनता तक पहुंचाने के लिए व्यापक प्रचार किया जाए। बैनर, पोस्टर और स्थानीय मीडिया के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जाए। उन्होंने कुछ विशेष मामले जैसे पारिवारिक विवाद, दीवानी मामले, मोटर वाहन दुर्घटना दावा ,बैंक ऋण वसूली और छोटे आपराधिक मामलों में प्राथमिकता से समाधान सुनिश्चित करने पर बल दिया। सचिव महोदय ने अंत में कहा कि लोक अदालत न केवल न्यायालयों का भार कम करने का साधन है, बल्कि समाज में आपसी भाईचारे और शांति बनाए रखने का भी एक महत्वपूर्ण माध्यम है। सभी से इस प्रयास को सफल बनाने हेतु पूर्ण सहयोग देने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर तहसील न्यायालय सीतामऊ में न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री विनीत साकेत, श्रीमती प्रियंका सुमन साकेत, सुश्री शुभांगी तिवारी, अध्यक्ष तहसील अभिभाषक संघ श्री शायक नारायण जोशी उपस्थित रहे। तहसील न्यायालय गरोठ में न्यायिक मजिस्ट्रेट राहुल दुबे, श्रीमती प्रीति पांडे , तहसील अभिभाषक संघ अध्यक्ष श्री अनूप शर्मा उपस्थित रहे। तहसील न्यायालय भानपुरा में जिला न्यायाधीश जितेंद्र कुमार पाराशर, न्यायिक मजिस्ट्रेट ऋषिराज मिश्रा, सुश्री मेघा पुरोहित, अध्यक्ष तहसील अभिभाषक संघ श्री सतीश चंद्र जोशी उपस्थित रहे।

प्रतिभावान छात्राओं को विधायक जैन ने सम्मानित किया

मंदसौर, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। 4 दिसंबर 2024 को सीएम राइज महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मंदसौर में विधायक श्री विपिन जैन के द्वारा वर्ष 2023-24 में कक्षा दसवीं और बारहवीं में उच्चतम अंक प्राप्त प्रतिभावान छात्राओं को प्रशंसा पत्र एवं पुरस्कार के द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का प्रारंभ श्री प्राचार्य श्री के सोलंकी द्वारा पधारे हुए अतिथि जिला चिकित्सालय में विधायक प्रतिनिधि श्री मनोहर नाहटा, शिक्षा विभाग में विधायक प्रतिनिधि श्री राजेश फरक्या एवं श्रीमती प्रमिला का स्वागत किया गया। इस अवसर पर नेस परीक्षा राष्ट्रीय उपलब्धि

सर्वे के निरीक्षण हेतु जिलाधीश श्रीमती अतिथि गर्ग भी पधारीं, उन्होंने भी छात्रों को प्रोत्साहित किया। स्वागत उद्बोधन श्री के सी सोलंकी द्वारा प्रस्तुत करते हुए छात्राओं को निरंतर मेहनत कर आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री मनोहर नाहटा ने छात्राओं को सफल होने पर बधाई दी और निरंतर आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्री राजेश फरक्या ने विधायक द्वारा किए गए वादे अनुसार छात्राओं को विधानसभा भवन भ्रमण पर ले जाने की बात कही और अपेक्षा की की अधिक से अधिक छात्राएं उच्चतम अंक प्राप्त कर पुरस्कार प्राप्त करेंगी। इस अवसर पर श्री हामिद खान जेदी श्री जयंत तारे श्रीमती रचना आर्य, सुश्री टीना बाफना, सुश्री आरती शर्मा आदि भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री कुंदन सांखला ने किया व श्रीमती रेणुका आचार्य ने आभार ज्ञापित किया।

कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने किया निरीक्षण- नेस परीक्षा के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग ने निरीक्षण किया। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी श्री लोकेंद्र डाबी, विकास खंड शिक्षा अधिकारी सहायक संचालक श्री आनंद डावर, योजना अधिकारी श्री दिलीप मुजावदिया एवं नेस प्रभारी श्री सुरेश बोराना भी उपस्थित रहे।

जीरन में दिव्यांग स्वास्थ्य परीक्षण शिविर 11 को

नीमच, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी नीमच द्वारा दिव्यांगजनों की नि:शक्तता की जाँच कर, नि:शक्तता प्रमाण पत्र तैयार करने एवं उनकी अन्य समस्याओं के निराकरण के लिए तहसील स्तर पर जिला मेडिकल बोर्ड (दिव्याग मेडिकल बोर्ड) एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद ने बताया, कि शासकीय चिकित्सालय जीरन में 11 दिसम्बर 2024 को श्री रामेश्वर मारू शासकीय चिकित्सालय मनासा में 18 दिसम्बर 2024 तथा रामपुरा के चिकित्सालय में 1 जनवरी 2025, जावद चिकित्सालय में 8 जनवरी 2025 व शासकीय चिकित्सालय सिंगोली में 15 जनवरी 2025 को जिला मेडिकल बोर्ड के समस्त सदस्य शिविर में उपस्थित होकर दिव्यांगजनों का परीक्षण कर, नियमानुसार प्रमाण पत्र जारी करेंगे तथा नि:शक्तजनों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया जावेगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद ने क्षैत्र के अधिकाधिक दिव्यांगजनों से इन शिविरों का अधिकाधिक लाभ उठाने का आगृह किया है।

मुख्यमंत्री द्धारा संबल योजना के हितग्राहियों को हितलाभ अंतरित

नीमच, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। संबल योजना अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने सिंगल क्लिक के माध्यम से श्रमिक परिवारों को सहायता राशि का अंतरण बुधवार को किया गया। इस कार्यक्रम का सभी जिलों में वर्चुअल प्रसारण भी किया गया। मुख्यवमंत्री डॉ.यादव द्वारा नीमच जिले के 155 श्रमिक परिवारों के खातें में 3 करोड 38 लाख रुपए की राशि अंतरित की हैं। एन.आई.सी. कक्ष नीमच में आयोजित इस कार्यशाला में जिला पंचायत अध्योक्ष श्री सज्जन सिह चौहान, सीईओ श्री अरविंद डामोर ने संबल योजना के हितग्राहियों को हितलाभ एवं स्वीकृति पत्र भी वितरित किए। इस मौके पर श्रम विभाग के श्री सज्जन सिह भी उपस्थित थे।

सात महीने की सेवा देने के बाद पहली बार घर लौटने पर गांव में खुशी का माहौल...

अग्निवीर सैनिक आयुश आंजना का घर वापसी पर किया स्वागत

खजूरीआंजना, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले के खजुरी आंजना मे किसान के बेटे की आर्मी (अग्निविर) में चयन हुआ, 7 महीने की ड्यूटी के बाद आयुश आंजना के घर लोटने पर गांव में खुशी का माहौल बन गया, ढोल ढमाके के साथ गांव में जुलूस निकाला गया व जगह जगह पुष्प माला से भव्य स्वागत किया गया। दरअसल आपको बता दें कि आयुश के माता-पिता सहित पुरा परिवार एक किसानी का काम करते है आयुश आंजना इनकी एक छोटी बहन भी है जो सभी घरेलू कार्यों में अंपने माता पिता के साथ काम करते हैं। आज जब आयुश आंजना 7 महीने बाद ड्यूटी से

घर लौटा तो घर पर एवम् गांव में खुशी का माहौल बन गया, व ग्रामीणों ने जगह जगह (आर्मी अग्निवीर सैनिक) की पुष्प मालाओं से स्वागत किया। जब आयुश आंजना से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि मेरे मन में यह ख्याल आया था कि मैं आर्मी जॉइन करूंगा इसके लिए मुझे कितना भी संघर्ष करना पडेगा तो भी मैं करने के लिए तैयार हूं जब मैं सुबह 5:00 बजे उठकर रोजाना करीब 5 किलोमीटर की दौड लगाता हूं करीब मैंने 5 सालों से लगातार संघर्ष किया है तब जाकर मुझे अब इस परीक्षा में सफलता प्राप्त की है मैं सभी दोस्तों से यही कहना चाहता हूं कि लगातार संघर्ष करते रहे और कभी हार ना माने एक दिन ऐसा समय आएगा जो आप विजयपथ हासिल करके ही रहोगे शुरुआती दौर में मुझे भी काफी परेशानी का सामना करना पडा लेकिन मेने हार नहीं मानी में हमेशा के लिए संघर्ष करता ही रहा हूं और मैं मेरे परिवार के साथ मेरे मम्मी पापा का भी खेती बाडी में भी पूरा का पूरा सहयोग किया है साथ में पढाई लिखाई का काम भी किया हूं और आज मेरी मम्मी पापा की मेहनत की वजह से मैं आज इस पद पर कार्यरत हूं और मैं सभी ग्रामवासी को भी धन्यवाद देना चाहता हूं

नीमच में टीडीएस एवं टीसीएस जागरूकता कार्यशाला संपन्न

नीमच, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार बुधवार को जिला पंचायत सभा कक्ष नीमच में जिला कोषालय नीमच द्वारा टी.डी.एस.एवं टी.सी.एस.जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में आयकर आयुक्ती इंदौर श्री बिरजु थामस, आयकर अधिकारी उज्जैन श्री अरूण शर्मा, जिला आयकर अधिकारी नीमच श्री अशोक शर्मा, जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर एवं जिला कोषालय अधिकारी श्री बी.एम.सुरावत सहित सभी आहरण संवितरण अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यशाला में आयकर अधिकारी उज्जैन श्री अरूण कुमार शर्मा ने कहा, कि सभी डीडीओ माह जनवरी से मार्च तक बकाया टैक्स काटना सुनिश्चित करें, किसी भी प्रकार की छूट ना दे। सभी डीडीओ यह ध्याकन रखें, कि यदि 30 हजार से एक लाख तक या उससे अधिक का भुगतान होता है, तो 1 प्रतिशत या 2 प्रतिशत टी.डी.एस. काटना सुनिश्चित करें। कोई भी डीडीओ टी.डी.एस. काटने में कोई शिथिलता ना बरतें। हर 3 महीने में सी.ए. से फॉर्म 24 क्यू. अवश्य भरवाए, और टी.डी.एस. रिर्टन दाखिल करवाएं। यदि कोई लेट लतीफ फाइल करते है, तो 200 रूपए रोजाना पेनल्टी टी.डी.एस. या टी.सी.एस. फाइल में पेनल्टी लगती है, जो कि आहरण संवितरण अधिकारी द्वारा स्वायं के वेतन से वहन करना होगा। जिस भी विभाग के टैक्स बकाया है, वह टैक्स दिसम्बार एवं जनवरी के वेतन से पूर्ण जमा करना सुनिश्चित करें। कार्यशाला में आहरण संवितरण अधिकारियों के प्रश्नों का समाधान भी किया गया।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	183	2100	2429
उडद	24	4400	6899
सोयाबीन	4000	3500	4300
गैहु	1000	2700	3150
चना	80	5501	6300
मसुर	24	5500	6111
धनिया	125	6000	7151
लहसुन	11000	12600	30000
मैथी	320	4751	5880
मुंगफली	4800	3650	5300
अलसी	565	5600	6161
सरसो	185	5151	5851
तारामीरा	3	4270	4546
इसबगोल	37	8500	12101
प्याज	12000	1250	3800
कलोंजी	30	12191	18041
तुलसी बीज	15	12100	18790
डॉलर	29	6751	11001
तिल्ली	20	8661	12360
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	2	2000	4000
असालीया	5	10999	12090
चियाबीज	25	10300	13900

विश्वास योजना से मिल रहा गरीब वर्ग को आर्थिक संबल

सांसद गुप्ता ने विश्वास योजना को लेकर लोकसभा में किया प्रश्न

मंदसौर, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। केन्द्र सरकार द्वारा गरीब वर्ग को लाभांवित करने के लिए विश्वास योजना शुरू की है जिसको लेकर सांसद गुप्ता ने लोकसभा में प्रश्न किया। सांसद गुप्ता ने प्रश्न करते हुए कहा कि विश्वास योजना की विशेषताएं क्या है। इस योजना के तहत गरीब वर्ग,एससी, ओबीसी और सफाई कर्मचारियों को कोई सब्सिडी प्रदान की जा रही है। योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए कोई मानदंड तय किया है। चालू वर्ष के दौरान उक्त योजना के तहत कितनी निधि निर्धारित, स्वीकृत व जारी की गई है। यही नही सुधीर गुप्ता ने यह भी कहा कि योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति को मिले इसके लिए सरकार ने क्या कदम उठाए है।

प्रश्न के जवाब में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के पश्चात सरकार ने ष्वंचित इकाई समूह और वर्गों की आर्थिक सहायता योजना (विश्वास) शुरू की है। इस योजना का उद्देश्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी), क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी), निजी क्षेत्र के बैंकों, लघु वित बैंकों और अन्य समान वित्तीय संस्थानों (एफआई) के माध्यम से ऋण लेने वाले पात्र स्वयं सहायता समूहों और व्यक्तिगत लाभार्थियों को 5 प्रतिशत की दर से ब्याज में छूट प्रदान करना है। अनुसूचित जाति, अन्य पिछडा वर्ग और सफाई कर्मचारी (चिन्हित हाथ से मैला ढोने वाले, कचरा बीनने वाले और उनके आश्रितों सहित) से संबंधित व्यक्ति ब्याज में छूट के लिए पात्र होंगे। यह योजना प्रारंभ में वर्ष 2024-25 और 2025-26 के लिए क्रियान्वित की जा रही है तथा इसे सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के तीन वित्त विकास निगमों अर्थात् राष्ट्रीय पिछडा वर्ग वित एवं विकास निगम (एनबीसीएफडीसी), राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम (एनएसएफडीसी) और राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त एवं विकास निगम (एनएसकेएफडीसी) द्वारा कार्यान्वित किया जाएगा। उन्होने बताया कि अनुसूचित जाति और अन्य पिछडा वर्ग के व्यक्ति जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 3.00 लाख रुपये तक है, 5.00 लाख रुपये तक के ऋण के लिए छूट का लाभ प्राप्त करने के पात्र हैं। सफाई कर्मचारियों (चिन्हित हाथ से मैला ढोने वाले, कचरा बीनने वाले और उनके आश्रितों सहित) के मामले में कोई आय मानदंड लागू नहीं होगा। इसके अलावा, किसी भी ऋणदाता संस्थान द्वारा 10.00 लाख रुपये तक के ऋण / नकद ऋण सीमा के माध्यम से समर्थित एसएचजी ब्याज में छूट के लिए पात्र होंगे। उन्होने बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान ब्याज छूट के लिए 97.5 करोड रुपये (संशोधित अनुमान) की धनराशि निर्धारित की गई है। यही नही सुनिश्चित करने के लिए कि योजना का लाभ जरूरतमंदों को प्राप्त हो, इसके लिए तीन वित्त विकास निगमों के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, राज्य चौनलाइजिंग एजेंसियां, सूक्ष्म वित्त संस्थान और आरआरबी के व्यापक नेटवर्क का लाभ उठाकर एक समावेशी दृष्टिकोण अपनाया गया है।

कलेक्टर ने उत्कृष्ट स्कूल, महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल एवं बालागंज स्कूल में चल रहे नेस सर्वे परीक्षा का निरीक्षण किया

मंदसौर, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने शासकीय उत्कृ ष्ट स्कूल मंदसौर, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय बालागंज में चल रहे नेशनल अचीवमेंट सर्वे परीक्षा का निरीक्षण किया। नेशनल अचीवमेंट सर्वे की परीक्षा नवी कक्षा के विद्यार्थियों के द्वारा दी जा रही है। कलेक्टर ने परीक्षा कक्ष की व्यवस्थाओं को देखा। परीक्षा कक्ष में उपस्थित शिक्षक से जानकारी ली। नेशनल अचीवमेंट सर्वे जो कि भारत सरकार के द्वारा किया जा रहा है। नेशनल अचीवमेंट सर्वे भारत सरकार द्वारा प्रत्येक 3 वर्ष में एक बार करवाया जाता है। इससे पूर्व वर्ष 2021 में यह सर्वे हुआ था। इस दौरान कलेक्टर ने बालागंज स्कूल में 12वीं क्लास के बच्चों से संवाद किया। उनको यूपीसीसी की परीक्षा के साथ ही अन्य प्रतियोगिता परीक्षा के बारे में बताया। सभी बच्चे अच्छे से मन लगाकर पढाई करें। न्यूजपेपर रोज पढना चाहिए। देश के साथ-साथ देश दुनिया की भी जानकारी रखें। परीक्षा के दौरान सिर्फ पढाई पर ही ध्यान देना चाहिए।

मप्र में एंटीबायोटिक इंजेक्शन सहित तीन दवाओं के सैंपल फेल

भोपाल, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में भर्ती और ओपीडी में आने वाले रोगियों को दी जाने वाली तीन दवाएं गुणवत्ता जांच में अमानक मिली हैं। इनमें सेफ्ट्राइकजोन इंजेक्शन भी शामिल है, जो गंभीर संक्रामक बीमारियों में उपयोग किया जाता है।

इसका अधिकतर उपयोग मेडिकल कालेज, जिला अस्पताल और सिविल अस्पतालों में किया जाता है। इसके अतिरिक्त स्टेरायड के रूप में उपयोग होने वाला डेक्सोमेथासोन और आक्सीटोसिन इंजेक्शन भी अमानक पाया गया है। मध्य प्रदेश पब्लिक हेल्थ सप्लाई कॉरपोरेशन ने इन दवाओं का उपयोग रोकने के निर्देश जारी किए हैं। इस वर्ष अभी तक 22 दवाएं अमानक मिल चुकी हैं। सेफ्ट्राइक्जोन इंजेक्शन का उपयोग तब किया जाता है, जब आमतौर पर उपयोग होने वाली एंटीबायोटिक दवाएं असर नहीं करतीं। जिला अस्पताल दमोह के स्टोर से इस इंजेक्शन के सैंपल जांच के लिए केंद्रीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला कोलकाता भेजे गए थे।

जांच में दवा की मात्रा मापदंड के अनुसान नहीं- 20 सितंबर को गुणवत्ता जांच में पाया गया है कि इंजेक्शन में दवा की मात्रा मापदंड के अनुसार नहीं है। इसके बाद कंपनी जी लैबोरेट्रीज लिमिटेड को दो साल के लिए यह दवा आपूर्ति करने के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। इस दवा की एक्सपायरी मार्च 2026 थी। अच्छा रहा कि खपत ज्यादा होने के पहले ही जांच करा ली गई। इसके अतिरिक्त दवाओं का प्रभाव बढाने के लिए कैंसर सहित गंभीर रोगों में दिए जाने वाला डेक्सामेथासोन सोडियम फास्फेट इंजेक्शन भी अमानक मिला है।

दवा आपूर्ति करने वाली कंपनी पर कार्रवाई- इसका सैंपल जिला अस्पताल सिवनी ने जांच के लिए केंद्रीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला कोलकाता भेजा था, जो जांच में अमानक मिला है। इसमें भी दवा की मात्रा मापदंड के अनुसार नहीं मिली है। इस इंजेक्शन का विनिर्माण माह जुलाई, 2023 और एक्सपायरी जून 2025 है। आशंका है कि आधे से अधिक इंजेक्शन का उपयोग हो चुका होगा। दवा आपूर्ति करने वाली कंपनी नंदिनी मेडिकल लैबोरेट्रीज पर इस दवा की आपूर्ति के लिए दो वर्ष तक रोक लगा दी गई है। इसके अतिरिक्त प्रसव के दौरान उपयोग होने वाला आक्सीटोसिन इंजेक्शन भी अमानक पाया गया है।

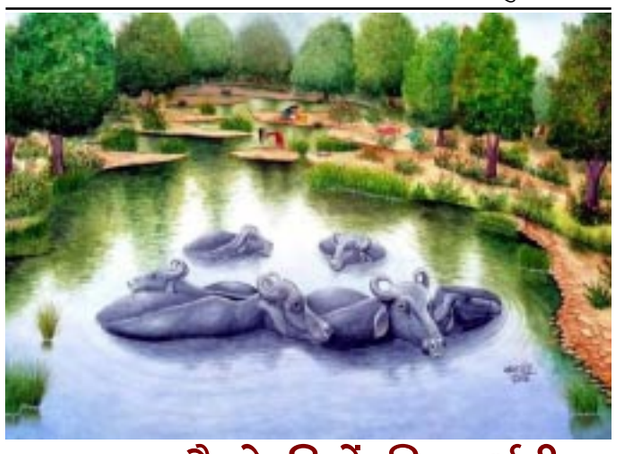

मदन राठौर के चित्रों की प्रदर्शनी

मनासा, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा के कंजाड़ा पठार के ग्राम खेडली के अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त चित्रकार मदन राठौर के चित्रों की प्रदर्शनी 9दिसम्बर से 15 दिसम्बर2024तक नेवी मुख्यालय मुम्बई में लगेगीतथा 16दिसम्बर से 22 दिसम्बर तक मुम्बई फोर्ट में लगेगी। दिनांक 5जनवरी 2025से अंतर्राष्ट्रीय कला महोत्सव 'चित्रसंथे' बैंगलोर में लगेगी।

प्रशासन द्वारा चपलाना में दुग्ध चीलिंग सेंटर सील

नीमच/मनासा, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत बुधवार को एक सूचना के आधार पर प्रशासन द्वारा चपलाना तहसील मनासा स्थित बल्क मिल्क चीलिंग सेंटर फर्म श्री रितुराज डायरी, कल्पवृक्ष मार्ग चपलाना का निरीक्षण किया गया। खाद्य सुरक्षा की टीम द्वारा प्राथमिक जांच में दो बीएमसी में संग्रहित मिल्क में से एक बीएमसी में संग्रहित मिक्स मिल्क 2400 लीटर में मिलावट की आशंका पर एक नमूना लिया गया।

एसडीएम मनासा श्री पवन बारिया ने उक्त4 जानकारी देते हुए बताया, कि जांच दल द्वारा नमूना लेने के बाद शेष बचे 2200 लीटर मिक्स मिल्क को जांच रिपोर्ट आने तक जप्त किया गया एवं बिना लायसेंस के कारोबार करने पर फर्म को सील बंद किया गया हैं। फर्म के मालिक श्री बिट्टू सिंह भाटी निवासी चपलाना है, ऐसा मौके पर उपस्थित संचालक श्री समरथ सिंह भाटी ने जांच टीम को बताया हैं। जांच दल में तहसीलदार श्री बी.के.मकवाना एवं राजस्वक अमला तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री यशवंत कुमार शर्मा ने उक्त कार्यवाही की हैं।

देवेंद्र फडणवीस होंगे महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री

महायुति ने पेश किया सरकार बनाने का दावा, गुरुवार को शपथ ग्रहण

उज्जैन/मुम्बई, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री होंगे। बुधवार को मुंबई स्थित भाजपा भवन में हुई पार्टी विधायक दल की बैठक में फडणवीस को विधायक दल का नेता चुना गया। अब 5 दिसंबर, गुरुवार को शपथ ग्रहण होगा।

भाजपा विधायक दल की बैठक के बाद तीनों नेता यानी देवेंद्र फडणवीस के साथ ही डिप्टी सीएम बनने वाले एकनाथ शिंदे और अजित पवार राजभवन गए और सरकार बनाने का दावा पेश किया। साथ ही विधायकों के समर्थन की चिट्ठी भी सौपी। इस तरह महाराष्ट्र की राजनीति में चली आ रही असमंजस की स्थिति आज दूर हो गई। इस बीच, मध्य प्रदेश में बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से खबर है कि देवेंद्र फडणवीस ने महाकाल मंदिर के पुजारी को शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है।

मंत्रिमंडल का गठन बाद में होगा- महाराष्ट्र में गुरुवार शाम को 5 बजे नए मुख्यमंत्री शपथ लेंगे। अभी देवेंद्र फडणीस पवार ही शपथ लेंगे। मंत्रिमंडल का गठन बाद में दिया जाएगा। पहले कहा गया था कि कुछ विधायक भी शपथ ले सके हैं। इस बीच, महाकाल मंदिर के पुजारी आशीष शर्मा ने बताया कि महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्वयं उन्हें महाराष्ट्र में शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए निमंत्रण भेजा है। साथ ही मुंबई आने-जाने और ठहरने का प्रबंध भी किया है। आशीष पुजारी ने बताया कि वे शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आज शाम को मुंबई के लिए रवाना होंगे। वे अपने साथ महाकाल का प्रसाद, दुपट्टा और रुद्राक्ष की माला ले जाएंगे और भावी मुख्यमंत्री को भेंट करेंगे।

महाकाल के परम भक्त हैं देवेंद्र फडणवीस- आशीष पुजारी ने बताया कि देवेंद्र फडणवीस महाकाल के परम भक्त हैं। पिछली बार जब वे मुख्यमंत्री बने थे, तब महाकाल मंदिर के दर्शन करने और आशीर्वाद लेने आए थे और बाद में भी वे लगातार भगवान महाकाल के दर्शन करने आते रहे हैं। शपथ ग्रहण समारोह 5 दिसंबर को शाम 5 बजे मुंबई के आजाद मैदान में आयोजित किया जाएगा।

बंदियों के परिजन फर्जी फोन कॉल्स से सतर्क एवं सावधान रहे- जैल अधीक्षक

नीमच, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला जैल नीमच के अधीक्षक ने बताया, कि वर्तमान में जिला नीमच में सक्रिय कुछ अज्ञात लोगों द्वारा जैल में निरूद्ध बंदियों के परिजनों को फोन कर बंदियों के जैल में गंभीर रूप से बीमार होने की झूठी खबर देकर ब्लड चढाने एवं बंदी के प्रकरण का निराकरण एवं जैल से रिहा करवाने हेतु राशि की मांग की जा रही हैं।

जैल प्रशासन जिला जेल नीमच ने जैल में निरूद्ध सभी बंदियों के परिजनों से आगृह किया है, कि इस प्रकार के सभी फोन कॉल्स से सावधान रहे एवं फोन पर प्राप्त किसी सूचना के आधार पर किसी राशि का भुगतान ना करे। किसी भी फोन कॉल्स के झांसे में न आए। जिला जैल अधीक्षक ने इस तरह का फोन प्राप्त होने पर जेल पहुंच कर, जेल में निरूद्ध बंदी से मुलाकात करने एवं उसका हाल-चाल पूछने की सलाह परिजनों को दी हैं। उन्होंने कहा, कि जेल में निरूद्ध बंदियों के स्वास्थ्य, भोजन, विधिक सेवा आदि का दायित्व जेल प्रशासन का है एवं जेल प्रशासन अपने दायित्व को पूर्ण रूप से वहन करता है एवं आपातकालीन स्थिति में बंदी का स्वास्थ्य खराब होने पर जिला चिकित्सालय में भर्ती कर, स्वयं परिजनों को सूचित करता है। इस प्रकार के किसी भी फोन कॉल्स के प्राप्ति होने पर नजदीकी पुलिस स्टेशन में सूचित करे।

दुपहिया उत्पादन कंपनियों हेतु प्रोत्साहन को लेकर सांसद ने लोकसभा में किया प्रश्न...

चीन को पीछे छोड़ भारत बना दुपहिया वाहन बाजार का हब

मंदसौर, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। दुपहिया वाहन को लेकर सांसद गुप्ता ने लोकसभा में प्रश्न किया। उन्होने कहा कि भारत ने विश्व के सबसे बडे दुपहिया बाजार के रूप में चीन को पीछे छोड दिया है। इसका ब्यौरा क्या है। सरकार का विचार देश में दुपहिया वाहन बनाने वाली कंपनियों को, विशेषकर देश के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों तक इनकी पहुंच को अधिकतम करने के लिए प्रोत्साहन देने का है। सरकार का विचार इस उद्योग को बढावा देने के लिए इस प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम से जोडने का है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या उपाय किए गए हैं। प्रश्न के जवाब में भारी उद्योग मंत्रीएच. डी. कुमारस्वामी ने बताया कि सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबिल मैन्युफैक्चरर्स से प्राप्त सूचनानुसार, कैलेंडर वर्ष 2023 में चीन में 16.6 मिलियन यूनिट दुपहिया वाहन बेचे गए, जबकि कैलेंडर वर्ष 2023 में भारत में कुल पंजीकृत दुपहिया वाहन 17.10 मिलियन थे (कैलेंडर वर्ष 2023 के लिए वाहन डेटाबेस के अनुसार)। उन्होने बताया कि भारत में शुरुआती स्तर के दुपहिया वाहन निर्माता देश के ग्रामीण क्षेत्रों में पहले ही से पैठ बना चुके हैं। ऑटोमोबिल और ऑटो संघटकों के लिए उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएल आई) स्कीम को सरकार ने 15 सितंबर, 2021 को 25,938 करोड रुपये के बजटीय परिव्यय के साथ अनुमोदित किया है ताकि उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी (एएटी) उत्पादों के घरेलू विनिर्माण को बढावा मिले और ऑटोमोटिव विनिर्माण मूल्य श्रृंखला में निवेश आकर्षित हो सके। एएटी दुपहिया वाहन भी स्कीम के तहत विनिश्चित बिक्री मूल्य पर 13 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक के आर्थिक प्रोत्साहन के पात्र हैं। 26 नवंबर .2024 की स्थिति के अनुसार, स्कीम के तहत पांच दुपहिया मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) को अनुमोदित किया गया है।

दशपुर रंगमंच ने गौशाला में गौमाता को आहार कराया

मंदसौर, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। दशपुर रंगमंच मंदसौर के संस्थापक अभय मेहता द्वारा अपनी दादी की पुण्य स्मृति में ग्राम सिंदपन स्थित गौशाला में गौमाता को हरे चारे का आहार कराया।

अभय मेहता ने बताया कि संगीत के कार्यक्रम करते हुए संस्था द्वारा सेवा प्रकल्प भी आयोजित किये जाते है। संस्था द्वारा छात्रों को स्टेशनरी वितरण, स्वेटर वितरण सहित मूक पशुओं की सेवा के कार्य किये गये है। ललिता मेहता ने कहा कि दादी सा. बहुत धार्मिक महिला थी। रोज पांच सामायिक करती थी। सतीश सोनी ने कहा व आबिद भाई ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम आयोजित होते रहना चाहिये। प्रारंभ में सभी ने दादी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में मधु चौरडिया, स्नेहलता सोनी, नीलम वीरवाल, सुखदेव वीरवाल, गौसेवक ईश्वरलाल चौहान, रेखा बहन व लोकेश भी उपस्थित रहे।

कूनो में बाड़े से आजाद हुए चीते, अग्नि और वायु को जंगल में छोड़ा

श्योपुर, 04 दिसम्बर। लंबे इंतजार के बाद कूनो नेशनल पार्क के बाड़े में रखे गए चीतों में से दो चीते अग्नि और वायु को बुधवार को जंगल में छोड दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय चीता दिवस पर विशेषज्ञों ने जंगल में उनेक विचरण, सुरक्षा, भोजन आदि को लेकर अंतिम चर्चा के बाद यह निर्णय लिया।

बाड़े में कुल 12 चीते और 12 शावक हैं, जिसमें से एक मादा शावक मुखी पौने दो साल का होने के साथ पूर्ण वयस्क हो चुकी है। इसके साथ ही जल्दी ही जंगल में और चीते छोडे जाने की संभावना बढ गई है। अगले दो-तीन दिन में दो और चीते छोडे जा सकते हैं। सिंह परियोजना के निदेशक उत्तम कुमार शर्मा ने बताया कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान के पारोंद वन क्षेत्र में चीते छोडे गए हैं। यह क्षेत्र अहेरा पर्यटन क्षेत्र का हिस्सा है। ऐसे में पर्यटकों को सफारी के दौरान चीतों को देखने का अवसर मिल सकता है।

पवन ने बार-बार लांघी कूनो की सीमाएं- कूनो नेशनल पार्क में 17 सितंबर 2022 को नामीबिया से लाए जाने के बाद पवन चीता को सबसे पहले 21 मार्च 2023 को जंगल में छोडा था। बार-बार कूनो की सीमा लांघकर कभी शिवपुरी के माधव नेशनल पार्क तो कभी यूपी की सीमा तक जाने के बाद उसे ट्रैंकुलाइज कर वापस लाकर बाड़े में बंद करने पडा था।

पिछले साल नौ चीतों को जंगल में छोडा- अग्नि-वायु, गौरव-शौर्य, आशा, वीरा सहित कुल नौ चीतों को जंगल में छोडा जा चुका है। पिछले साल जुलाई और अगस्त में कुछ चीतों की मौत व संक्रमण के मामले सामने आने के बाद सभी चीतों को वापस बाडे में बंद कर दिया था।

बरसाती नाले में एक की डूबने से हुई थी मौत- छह माह पहले पवन व वीरा चीता का जोडा जंगल में छोडा था। वीरा के मुरैना व ग्वालियर क्षेत्र तक आकर ग्रामीणों के पशुओं के शिकार करने के बाद वापस बाडे में ले जाना पडा था। पवन की बरसाती नाले में डूबकर मौत हो गई थी, जिसके बाद से ही सभी चीतों बाडे में ही बंद थे। अग्नि और वायु उम्र में अधिक बडे और मजबूत चीतों में से हैं, इसलिए पहले इन्हे छोडा है।

नीलगाय: हर साल 9 करोड़ की... पेज 1 से जारी

व संबंधित क्षेत्र के वन रक्षक नुकसान आंकलन का प्रकरण तैयार कर तहसीलदार को भेजेंगे। तहसीलदार को अधिकार है कि उपज की हानि का शत प्रतिशत मुआवजा स्वीकृत कर संबंधित किसान को भुगतान करें। लेकिन, इतनी प्रक्रिया आम किसान नहीं कर पाता है। जिससे उसकी सुनवाई नहीं हो पाती है।

सुरक्षा पर खर्च होती बड़ी रकम- नीलगाय 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ती है। खतरे को भांपने में भी सक्षम होती है और 6 फीट की छलांग लगाती है। नीलगायों का झुंड चारों दिशाओं में अलग-अलग तरफ मुंह करके खड़ा होता है। ऐसे में फसलों को इनसे बचाना बहुत ही टेढ़ी खीर है। मल्हारगढ क्षेत्र के किसान श्रीराम पाटीदार ने बताया खेतों में फसल को बचाने के लिए किसान अपने स्तर पर प्रयास करते हैं। कहीं अफीम को बचाने के लिए लाखों रुपए खर्च कर 6-6 फीट उंची जालियां लगाई जाती है तो कहीं पर चादर-साडी और चमकीली पन्नी बांधी गई है। इसके बावजूद नील गाये फसलों को चौपट कर रही हैं। किसान खेतों में रातीजगा कर नीलगाय से फसलों को बचाने का प्रयास कर रहा हैं। सीतामऊ क्षेत्र के प्रकाश गायरी ने बताया 40 बीघा में रबी फसल की सुरक्षा के लिए 4 लाख 50 हजार रुपए खर्च कर तारफेंसिंग की जाती है। 6-7 फीट उंची मोटे तारों की जालियां लगाईजाती है। फिर भी जाली से छलांग लगाकर नील गाय खेत में घुस कर रायडा, चने और गेहूं को नष्टकर देती है।

दस साल की मासूम से बलात्कार... पेज 1 से जारी

गया। पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनद के निर्देशन में अपर लोक अभियोजक हरिवल्लभ पाटीदार, थाना प्रभारी भानपुरा आरसी दागी एवं कोर्ट मोहर्रिर आरक्षक राजकुमार भट्टद्वारा अल्प अवधि में गभीर अपराध के समस्त साक्षियों के प्रभावी साक्ष्य न्यायालय के समक्ष करवाये गये। उक्त प्रकरण में अपर सत्र न्यायालय भानपुरा श्री जितेन्द्र कुमार पाराशर द्वारा आरोपी बनेसिंह उर्फ बना को भादवि एवं पाक्सो एक्ट की सुसंगत धाराओं में दोषी पाते हुये 20 वर्ष कठोर कारावास व जुर्माने से दण्डित किया गया। प्रकरण की पैरवी एजीपी हरिवल्लभ पाटीदार द्वारा की गई। घटना के मात्र 8 माह में प्रकरण का विचारण पूर्ण करवाये जाने में थाना प्रभारी भानपुरा आरसी दागी, आरक्षक राजकुमार भट्ट, आरक्षक राजेन्द्रसिंह राजावत का सराहनीय योगदान रहा। प्रकरण की विवेचना उनि सुनील जाटव चौकी प्रभारी भैसोदामण्डी द्वारा की गई।

कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक मंदसौर

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ट्रेक्टर क्रमांक एमपी 14 जेडसी 4752 जो कि परिवहन कार्यालय मंदसौर में लालू पिता तेजा गांव रणायरा, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर के नाम से पंजीकृत है। यह सूचित किया जाता है कि वाहन स्वामी की मृत्यु दिनांक 29.02.2024 को हो चुकी है इसलिए उक्त ट्रेक्टर का अंतरण अपने नाम से करने हेतु उनकी पत्नी श्रीमती गीताबाई पति लालू निवासी रणायरा, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर ने इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है। इस संबंध में जिस व्यक्ति को आपत्ति हो वह विज्ञप्ति प्रकाशन के 3 दिवस के अंदर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। अंतरण आवेदक के नाम पर कर दिया जावेगा।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

जीवन अविरल बहती धारा है-सक्सेना

पेंशनर महासंघ ने श्री त्रिपाठी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

मंदसौर, 04 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सेवानिवृत्त एवं पेंशनर नागरिक महासंघ जिला मन्दसौर के पूर्व अध्यक्ष व प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष श्री श्रवण कुमार त्रिपाठी का 79 वां जन्मदिवस धूमधाम से मनाया गया। स्थानीय डे केयर सेंटर (पं दीनदयाल उपाध्याय वृद्ध जन सेवा केंद्र) सभागृह में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री गिरिराजदास सक्सेना थे। सेवानिवृत्त डिप्टी कलेक्टर श्री आर एल बोरीवाल, वरिष्ठपत्रकार डॉ घनश्याम बटवाल, वरिष्ठ पत्रकार एवं विचारक ब्रजेश जोशी, विशेष अतिथि थे। डे केयर सेंटर के व्यवस्थापक डॉ देवेन्द्र पुराणिक भी मंचासीन थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासंघ जिला अध्यक्ष अशोक रामावत ने की।

न्यायमूर्ति श्री गिरिराजदास सक्सेना ने श्री श्रवण कुमार त्रिपाठी को 79वें जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि, जीवन एक अविरल बहती धारा है, इसे निरंतर प्रवाहित रखने के लिए हमें हमारे सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। श्री त्रिपाठी ने अनेक क्षेत्रों में अपनी महती भूमिका निभाई है। सेवानिवृत्त डिप्टी कलेक्टर श्री आर एल बोरीवाल ने श्री त्रिपाठी को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके स्वास्थ्य व सुखी जीवन की कामना की। महासंघ जिलाध्यक्ष अशोक रामावत ने अपने उद्बोधन में श्री त्रिपाठी द्वारा भारतीय मजदूर संघ व सेवानिवृत्त एवं पेंशनर नागरिक महासंघ, भारतीय डाक कर्मचारी संघ में उल्लेखनीय योगदान से अवगत कराया। श्री त्रिपाठी के भाई गोपाल त्रिपाठी ने अपनी स्वरचित कविता सुनाई। त्रिपाठी परिवार की श्रीमती नीता चौबे ने भी अपने विचार रखे। डे केयर सेंटर के व्यवस्थापक डॉ देवेन्द्र पुराणिक, कार्यकारिणी सदस्य अजीजुल्लाह खान खालिद, करणसिंह चौहान, सह सचिव अनिल श्रोत्रिय, नगर अध्यक्ष आनन्दीलाल पण्ड्या ने भी श्री त्रिपाठी जी को मंच से जन्मदिवस की बधाई दी। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती व भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया,। सरस्वती वंदना नगर सचिव अशोक नागदा ने तथा स्वागत गीत जिला महिला सचिव श्रीमती शकुंतला चौहान व संगठन गीत डे केयर सेंटर के सचिव राजेंद्र पोरवाल ने प्रस्तुत किया। सम्मान पत्र का वाचन डे केयर सेंटर सह सचिव अम्बालाल चन्द्रावत ने किया। संचालन जिला सचिव चन्द्रकान्त शर्मा ने किया, आभार प्रदर्शन जिला कार्यकारिणी सदस्य अजीजुल्लाह खान खालिद ने माना। यह जानकारी प्रचार सचिव भूपेश पाण्डेय ने दी।

*** पूजारी चाहिए ***

श्री हरिहर धाम

वेदांत विहार, लक्ष्मी नगर, अभिनंदन रोड, मंदसौर मंदिर में विराजित दिव्य प्रतिमाओं के पूजन और आरती के लिए पूजारी की आवश्यकता है।

**** संपर्क समय ****

दोपहर 2 बजे से शाम 06 बजे तक

मो. 9424033322, 9425105927, 9340060227

***** जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र अभय पिता निरंजन गिरी गोस्वामी निवासी चक्रवर्ती कालोनी स्टेशन रोड, मंदसौर मेरे कहने में नहीं है, मेरा पुत्र अभय गोस्वामी बुरी संगत व बुरी आदतों में पड़ गया है। मैने मेरे पुत्र को अपनी चल, अचल सम्पत्ति से बेदखल कर घर से निकाल दिया है। मेरे पुत्र अभय से कोई भी व्यक्ति, संस्था, निगम आदि किसी प्रकार का संव्यवहार न करें, न नगद या उधार राशि देवे अन्यथा उसका जिम्मेदार संव्यवहार करने वाला स्वयं होगा। मै व मेरा परिवार किसी प्रकार से जवाबदार नहीं होंगे। सो सूचित हो।

अभय गिरी गोस्वामी पिता निरंजन गिरी गोस्वामी

निवासी-चक्रवर्ती कालोनी, स्टेशन रोड, मंदसौर

********* भवदीय *********

निरंजन गिरी गोस्वामी

निवासी स्टेशन रोड, मंदसौर मो.-8109453969

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in